आकाशवाणी केन्द्र शिमला
20.03.2026 / प्रादेशिक समाचार / 18:00बजे

आर्थिक सर्वेक्षण

भारी आर्थिक संकट से जूझ रहे हिमाचल प्रदेश की अर्थव्यवस्था मज़बूत बनी हुई है। शिमला में चल रहे प्रदेश विधानसभा के बजट सत्र के दौरान मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू द्वारा विधानसभा में आज पेश किए गए चालू वित्त वर्ष के आर्थिक सर्वेक्षण में ये खुलासा हुआ है। आर्थिक सर्वेक्षण के मुताबिक वर्तमान वित्त वर्ष में हिमाचल में विकास दर राष्ट्रीय औसत से अधिक रहने का अनुमान है। राष्ट्रीय स्तर पर इस वर्ष विकास दर 7 दशमलव 4 से 7 दशमलव 6 फीसद तक अनुमानित है, जबकि हिमाचल में विकास दर 8 दशमलव 3 प्रतिशत अनुमानित है। यही स्थिति प्रति व्यक्ति आय के मामले में भी है। प्रदेश में मौजूदा वित्त वर्ष में प्रति व्यक्ति आय 2 लाख 83 हज़ार 6 सौ 26 रुपए आंकी गई है, जो बीते वित्त वर्ष के मुकाबले 9 दशमलव 8 फीसद अधिक है। हिमाचल की प्रति व्यक्ति आय राष्ट्रीय औसत से 64 हज़ार 51 रुपए अधिक है। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने बताया कि राज्य सरकार की नीतियों का प्रभाव दिखना शुरू हो गया है और प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है।

शून्यकाल

विधानसभा में आज शून्यकाल के दौरान प्रदेश में नशीले पदार्थों के बढ़ते खतरे का मुद्दा जोरशोर से गूंजा। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने भाजपा पर प्रदेश में नशीले पदार्थों के फैलते जाल जैसे संवेदनशील मुद्दों का राजनीतिकरण करने और उन्हें सनसनीखेज बनाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने प्रदेश की उन पंचायतों की मैपिंग की है जहाँ नशीले पदार्थों की समस्या अधिक है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कोई भी माँ नशीले पदार्थों के कारण अपने बच्चे को न खोए। मुख्यमंत्री ने कहा कि चिट्टे की तस्करी में शामिल कुल 11 पुलिसकर्मियों और आठ सरकारी कर्मचारियों को सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है, इसके अलावा 60 अन्य लोगों को जेल भेज दिया गया है। इस बीच जब मुख्यमंत्री बोल रहे थे, तो भाजपा विधायक नारे लगाते हुए सदन से बाहर चले गए। विपक्ष के हंगामे के बीच सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि वे नशीले पदार्थों के खिलाफ इस लड़ाई में विपक्ष सहित सभी से सहयोग चाहते हैं। उन्होंने कहा कि नशीले पदार्थों के खिलाफ वाकाथॉन का उद्देश्य जागरूकता पैदा करना है और राज्य में नशीले पदार्थों के खतरे को रोकने के लिए कड़े कदम उठाए जा रहे हैं। इससे पहले चिट्टा तस्करी में शामिल कुल्लू पुलिस के चार जवानों की गिरफ्तारी का मामला उठाते हुए नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा कि अपने राजनीतिक स्वार्थों को साधने के लिए पुलिस बल का दुरुपयोग करने के बजाय राज्य सरकार को ड्रग माफिया के खिलाफ ठोस कार्रवाई करनी चाहिए। उन्होंने इस बात पर दुख जताया कि पुलिस जैसा एक अनुशासित बल, जिसकी ज़िम्मेदारी अपराध और नशीले पदार्थों के खतरे को रोकना है, वही ड्रग माफिया के साथ मिला हुआ पाया गया है। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि कुछ अधिकारी मुख्यमंत्री को खुश करने के लिए नशीले पदार्थों के खिलाफ वॉकाथॉन जैसे बड़े कार्यक्रम सिर्फ़ दिखावे के लिए आयोजित कर दे हैं।

मौसम

पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता से प्रदेश की ऊंची चोटियों पर हिमपात और निचले व मैदानी क्षेत्रों में वर्षा का सिलसिला लगातार जारी है। जनजातीय ज़िले लाहौल स्पीति और किन्नौर सहित कुल्लू व चंबा में बर्फबारी से जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। किन्नौर जिले के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में भारी हिमपात और निचले इलाकों में लगातार बारिश से कुछ स्थानों पर विद्युत आपूर्ति ठप्प है और सड़क संपर्क भी प्रभावित हुआ है। उधर चम्बा चुवाड़ी वाया जोत, चंबा–खजियार, चंबा–पांगी वाया साच मुख्य मार्गों सहित जिले के 38 सड़क मार्ग बर्फबारी के चलते वाहनों की आवाजाही के लिए बंद हो गए हैं। इसके अलावा ज़िले में 34 बिजली ट्रांसफार्मर और 24 पेयजल योजनाएं भी प्रभावित हुई हैं जिससे लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।